क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 278, शुक्रवार, 02 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मानहानि मामले में एमजे अकबर ने दर्ज कराए बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। मी टू अभियान के तहत यौन उत्पीड़न का आरोप झेल रहे पूर्व विदेश राज्य मंत्री मोबशर जावेद अकबर ने पत्रकार प्रिया रमानी के खिलाफ अदालत में अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने प्रिया रमानी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर किया है। वरिष्ठ पत्रकार रहे अकबर ने पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट समर विशाल से कहा कि रमानी ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से जानबूझकर उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाये हैं। यह आरोप एक एजेंडे को पूरा करने के लिये लगाया गया और उनके खिलाफ एक मनगढंग घटना को लेकर झूठा प्रचार प्रसार किया गया। इससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। अदालत इस मामले में अगली सुनवाई 12 नवम्बर को करेगी। उस दिन अकबर के पत्र में अन्य गवाह अपना बयान दर्ज कराएंगे।

कुकर्म छिपाने के लिए चाचा ने की थी बच्चे की गला दबाकर हत्या

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले के बम्हेटा में बच्चे की हत्या उसके पिता के चचेरे भाई ने की थी। मृतक ने आरोपी को किसी और बच्चे के साथ कुकर्म करते देख लिया था, इसलिए आरोपी ने बच्चे को बम्हेटा में ले जाकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वैभव कृष्ण ने बताया कि बम्हेटा की एक कॉलोनी में रहने वाला आठ साल का बच्चा खेलने के लिए गया था। वहां से खेलते हुए वह गायब हो गया था। 28 अक्टूबर को बच्चे का शव गिरधरपुर के नाले से बरामद हुआ था। पुलिस कार्रवाई में अड़चन ड़ालने वाले मृतक के पिता के एक रिश्तेदार से जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए घटना का खुलासा कर दिया। आरोपी ने बताया कि वह पड़ोसी 12 साल के बच्चे के साथ अप्राकृतिक संबंध बना रहा था, तभी मृतक वहां पहुंच गया। इसके बाद आरोपी मृतक को बम्हेटा के जंगल में ले गया और कुकर्म करने का प्रयास करते हुए गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

एस्मा लगने के बाद चार दिन में डीटीसी के 150 अनुबंधकर्मी बर्खास्त

नई दिल्ली। एस्मा लगने के चार दिनों के भीतर डीटीसी प्रबंधन ने हड़ताल कर रहे 150 अनुबंधकर्मियों को बर्खास्त कर दिया है। इसमें चालक और कंडक्टर शामिल हैं। बीते 22 अक्टूबर से अनुबंधकर्मी हड़ताल पर हैं। इससे पहले भी आठ लोगों को बर्खास्त किया जा चुका है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बुधवार को कहा कि एस्मा लगाए जाने के बाद हड़ताल पूरी तरह से अवैध है। उन्होंने एलजी और दिल्ली पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।वहीं, डीटीसी के मुख्य प्रबंध निदेशक मनोज गर्ग ने बताया कि अगर हड़ताल करने वाले कर्मचारी नहीं माने तो उनपर आगे भी सख्त कार्रवाई होगी।

मनोज तिवारी कर्मचारियों के समर्थन में उतरे

सरकार के बार-बार अपील और कार्रवाई की चेतावनी के बाद भी धरना दे रहे अनुबंधकर्मियों का विरोध जारी है। वे समान काम और समान वेतन से कम पर मानने को तैयार नहीं हैं। डीटीसी मुख्यालय पर चल रहे धरने को समर्थन देने के लिए बुधवार को दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी और 'आप' विधायक कपिल मिश्रा भी पहुंचे। उन्होंने चालकों से इस लड़ाई में शामिल होने की बात कही। उन्होंने केजरीवाल सरकार पर जमकर हमला बोला।

काम पर लौटने वालों से ही बात होगी : कैलाश गहलोत

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने हड़ताल कर रहे लोगों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बगैर काम पर लौटे बातचीत नहीं की जाएगी। उनकी पहली मांग न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाना देना है। सरकार यह पहले ही कैबिनेट में मंजूरी देकर बढ़ा चुकी है। उसके बाद भी हड़ताल की जा रही है।

हड़ताली कर्मचारियों पर दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज किया

हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। कर्मचारियों पर लगाए गए एस्मा पहले से ही लगाया गया है। पुलिस सूत्रों की मानें तो डीटीसी कर्मचारियों पर चार केस सरोजनी नगर, अमर कॉलोनी, गाजीपुर और पटेल नगर में दर्ज किए गए हैं। एक केस सुल्तानपुरी थाने में भी दर्ज किया गया है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का लोकार्पण करने के बाद उसे निहारते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

10 माह से सैलरी न मिलने पर नोएडा अथॉरिटी के दो कर्मचारियों ने किया ये काम

नोएडा, एजेंसी। दस महीने से वेतन न मिलने से परेशान नोएडा प्राधिकरण के दो अस्थायी कर्मचारी गुरुवार को सेक्टर-39 स्थित नोएडा प्राधिकरण कार्यालय के पास बने एक ऊंचे टावर पर चढ़ गए। इनमें से एक कर्मचारी जल विभाग में जबकि दूसरा विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग में कार्यरत है।

पुलिस ने बताया कि उनकी मांग है कि जब तक सभी अस्थायी कर्मचारियों को बकाया वेतन तथा अन्य सुविधाएं नहीं मिलेंगी तब तक वह दोनों टावर से नीचे नही उतरेंगे। एसपी (सिटी) सुधा सिंह ने बताया कि टावर पर चढ़ने वाले कर्मचारियों की पहचान जितेन्द्र एवं मनोज चौहान के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि टावर पर चढ़े कर्मचारियों को समझा-बुझाकर नीचे उतारने का प्रयास किया जा रहा है।

एसपी के अनुसार, मौके पर दमकल विभाग व पुलिस बल को तैनात किया गया है। विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग के अस्थायी कर्मचारी सुखबीर सिंह का कहना है कि दोनों विभागों के कर्मचारियों को पिछले 10 महीने से वेतन नहीं मिला है। प्राधिकरण उनसे आधार कार्ड की मांग कर रहा है। उनका कहना है कि वे ठेके पर काम करते हैं और ठेकेदार ही उनका वेतन भुगतान करता है तो ऐसे में आधार कार्ड की क्या आवश्यकता है।

रिटार्यड महिला टीचर के घर से लाखों की चोरी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली जिले के विकासपुरी इलाके में एक रिटार्यड महिला टीचर के घर से बदमाश लाखों के अभूषण व नकदी चोरी कर फरार हो गए। मेनका कपूर (61) सपरिवार विकासपुरी में रहती हैं। पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता ने बताया कि वह मंगलवार सुबह अपनी बहन से मिलने लाजपत नगर गई थी। देर शाम को घर लौटी तो मेन गेट का ताला टूटा था और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। सामाच की जांच करने पर पता चला कि घर से पांच लाख के आभूषण व 40 हजार रपए नकद गायब हैं। आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पुलिस चोरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

»» हर्षवर्धन ने जताई नाराजगी

प्रदूषण पर चर्चा के लिए बैठक में नहीं आए इन राज्यों के मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए केन्द्रीय पर्यावरण की तरफ से गुरुवार को बुलाई गई सभी संबद्ध राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों की बैठक में दिल्ली के अलावा किसी भी अन्य राज्य के मंत्री नहीं पहुंचे। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब के मंत्रियों के बैठक में नहीं आने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा है कि वह राज्य सरकारों से इस बारे में बात करेंगे। बैठक के बाद डॉ. हर्षवर्धन ने संवादाताओं को बताया कि बैठक में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री इमरान हुसैन के अलावा दिल्ली के मुख्य सचिव और पर्यावरण सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। वहीं पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के पर्यावरण मंत्री बैठक में नहीं आए। प्रदूषण की लगातार गहराती समस्या के बावजूद इस मामले में राज्य सरकारों की संवेदनहीनता के सवाल पर डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि बैठक के दौरान मैंने पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से बात करने की कोशिश की, लेकिन शायद विदेश में होने के कारण उनसे बात नहीं हो सकी। मैं इस विषय पर राज्य सरकारों से बात करूंगा। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने एनसीआर के पांच शहरों दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद में हवा की लगातार खराब हो रही गुणवत्ता के मद्देनजर संबद्ध राज्य सरकारों के साझा प्रयासों की समीक्षा के लिए गुरुवार को पर्यावरण मंत्रियों की बैठक बुलाई थी। बैठक में मौजूद एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली के अलावा शेष राज्यों की पर्यावरण नियंत्रण समितियों के इंजीनियर स्तर के अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार डॉ. हर्षवर्धन ने राज्यों के इस रवैये पर बैठक के दौरान नाराजगी व्यक्त की।

किसी भी शहर का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं

पांचों शहरों में वायु प्रदूषण संबंधी मानकों के पालन की निगरानी के लिए मंत्रालय द्वारा गठित 41 निगरानी टीमों के गत 15 सितंबर से जारी अभियान की रिपोर्ट में किसी भी शहर का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा। इन शहरों में समस्या और उसके कारणों को दूर करने के उपायों एवं प्रदूषण मानकों के पालन की दर बेहद कम दर्ज की गई। 2018 अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी रिपोर्ट के अनुसार, मानकों के पालन की दर नोएडा में 7.36 प्रतिशत, फरीदाबाद में 5.01 प्रतिशत, दिल्ली में 4.06 प्रतिशत, गाजियाबाद में 3.70 प्रतिशत और गुरुग्राम में 3.93 प्रतिशत दर्ज की गई। उन्होंने पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की शिकायतों में भी 25 अक्टूबर तक 30 प्रतिशत तक की गिरावट को नाकाफी बताते हुए कहा कि हमें इतने मात्र से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

दिल्ली सरकार और नगर निगम की टीमें भी करेंगी निगरानी

बैठक के बाद डॉ. हर्षवर्धन ने अगले दस दिन तक इन पांच शहरों में चलने वाले स्वच्छ वायु अभियान को हरी झंडी दिखाई। इसके तहत केन्द्र और सभी पांच राज्य सरकार के संबद्ध विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी वाले 52 निगरानी दल लगातार पांच शहरों में प्रदूषण मानकों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए औचक निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा दिल्ली सरकार और तीनों नगर निगम के अधिकारियों के 70 दल दिल्ली में अलग से निगरानी अभियान चलाएंगे। इन दलों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि प्रदूषण मानकों का उल्लंघन करने वाले को पहले नोटिस दिया जाए। दो दिन तक इसका पालन नहीं करने पर चेतावनी नोटिस और इसके दो दिन बाद भी पालन सुनिश्चित नहीं होने पर उल्लंघनकर्ता और संबद्ध जिम्मेदारी एजेंसी के खिलाफ आपराधिक मुकदमे की कार्रवाई शुरू की जाए।

अस्थमा को लेकर नियमावली जारी

दिल्ली में खराब वायु गुणवत्ता की वजह से बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री हर्षवर्धन ने अस्थमा को लेकर एक नियमावली जारी की है।

इस पुस्तिका में यह बताया गया है कि स्कूल प्रशासन आपातकाल की स्थिति में क्या उपाय अपना सकता है। इस पुस्तिका में बच्चों में अस्थमा की पहचान की जानकारी और बच्चों को सुरक्षित और सकारात्मक माहौल देने की सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था की जानकारी दी गई है। डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि यह पुस्तिका स्कूल के प्रशासन को बच्चों को सांस लेने में शिकायत की आपात स्थिति से निपटने में मदद करेगी।

»» आरोपियों ने पूर्वांचल मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष को पीटा

मंच पर भिड़े पदाधिकारी, मामला पहुंचा थाने

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में बत्रा अस्पताल के सामने सरदार पटेल की याद में आयोजित कार्यक्रम में मंच पर ही पूर्वांचल मोर्चा के पदाधिकारियों से गाली-गलौज व मार-पीट के बाद मामला थाने पहुंचा गया। पुलिस ने 24 घंटे में कार्रवाई का आश्वासन दिया है। आरोप है कि गाली-गलौज व मार-पीट करने वाले दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी के समर्थक एवं उनके निकट संबंधी थे। मामला प्रदेश भाजपा के बड़े नेताओं तक पहुंचा और प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने देर शाम पूर्वांचल मोर्चा के पदाधिकारियों तथा मार-पीट करने वाले बिधूड़ी समर्थक भाजपा कार्यकर्ताओं को कार्यालय बुलाया था। उन्होंने दोनों पक्षों को सुना, लेकिन कोई हल नहीं निकल सका। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष ने 14 घंटे में पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यहां यह बताना जरूरी है कि गाली-गलौच व मार-पीट के दौरान दौरान मंच पर प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन भी मौजूद थे। पूर्वांचल मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा ने नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंच पर किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो हुई। आरोप है कि भाजपा के एक प्रदेश पदाधिकारी ने पूर्वांचल के नाम पर गाली-गलौज शुरू कर दी। दक्षिणी दिल्ली में पूर्वांचल मोर्चा पूर्व अध्यक्ष चंदन चौधरी ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने मंच पर ही धक्का मुक्की करते हुए उन्हे एक थप्पड़ जड़ दिया। मंच पर बैठे नेताओं भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने किसी तरह मामला शांत कराया और एक गुट को मंच से नीचे उतार दिया।

प्रदेश अध्यक्ष के आश्वासन से संतुष्ट नहीं पूर्वांचली : पूर्वांचल मोर्चा के पदाधिकारियों से मारपीट का मामला तूल पकड़ते देख प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने देर शाम दोनों गुटों को कार्यालय बुलाया था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पार्टी कार्यालय पहुंचे पूर्वांचल मोर्चा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सांसद रमेश बिधूड़ी मुर्दाबाद के नारे लगाए। प्रदेश अध्यक्ष ने किसी तरह मामला शांत कराया। पुर्वांचल के लोगों के साथ पार्टी के जिलाध्यक्ष रोहताश सिंह भी थे। जबकि आरोपी गुट नहीं पहुंचा। प्रदेश अध्यक्ष ने पूरी बात सुनने के बाद आास्त किया है कि वह पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई करेंगे।

प्रदूषण फैलाने पर 1382 के कटे चालान

पूर्वी दिल्ली। *प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए पूर्वी निगम ने शाहदरा (दक्षिण) क्षेत्र में बुधवार को सामान्य श्रेणी, ठोस अपशिष्ट मलबा संबंधी नियमों और एनजीटी नियमों का उल्लंघन करने पर 635 चालान काटे। शाहदरा उत्तरी क्षेत्र में वायु प्रदूषण फैलाने को लेकर 747 चालान काटे गए हैं। निगमायुक्त पुनीत गोयल ने अधिकारियों को कूड़े में आग लगाने वालों, निर्माण सामग्री अथवा मलबे को बिना ढके ले जाने वाले ट्रकों या वायु प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण को लेकर एनजीटी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया जा सकता है।*

वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार

नई दिल्ली। राजधानी की वायु गुणवत्ता में बुधवार को मामूली सुधार देखा गया और हवा की रफ्तार बढ़ने एवं प्रदूषकों के बिखरने के बाद स्तर बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई। वायु गुणवत्ता में यह सुधार ऐसे वक्त में दर्ज किया गया जब पराली जलाने के मामले और बढ़ गए हैं।

राजधानी में एक दिन पहले ही प्रदूषण गंभीर स्तर पर दर्ज किया गया था। केन्द्रीय प्रदूषण नियंतग्र बोर्ड (सीपीसीबी) ने दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक 366 दर्ज किया।

केंद्र संचालित वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान एवं शोध पग्राली (सफर) के एक अधिकारी ने बताया कि वायु गुणवत्ता में सुधार को सुबह तेज हवा के चलने से जोड़ा जा सकता है। सुबह हवा की रफ्तार बढ़ी थी जो राहत बनकर आई। इससे प्रदूषक कण तेजी से बिखरे और वायु गुणवत्ता गंभीर से फिर से बेहद खराब श्रेणी की तरफ आई। सफर ने कहा कि अगले दो दिनों के लिए एक्यूआई बढ़ सकता है लेकिन वह बेहद खराब की श्रेणी में ही बना रहेगा। सफर ने कहा कि पश्चिमी हिमालय में मंगलवार को पहुंच रहे पश्चिमी विक्षोभेके बाद के असर के चलते तीन नवंबर को वायु गुणवत्ता में गिरावट आ सकती है।

मंगलवार को शहर में इस मौसम की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई थी और प्रदूषण स्तर 401 के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया, जिसके कारण अधिकारियों ने निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध के अलावा कोयला और जैव ईंधन से संचालित उद्योगों के कामकाज पर एक नवंबर से 10 नवंबर तक रोक लगा दी।

संस्थान ने कहा कि पराली जलाने की घटनाएं बढ़ी हैं लेकिन ऊपरी हवा की गति धीमी होने से यह दिल्ली की हवा को मामूली रूप से प्रभावित करेगा। सतही हवाएं फिर से शांत और हवा के प्रवाह को लंबे समय तक रोके रखने की दिशा में जा रही हैं। राजधानी में धुंध की मोटी परत छाई रही और अधिकारियों के मुताबिक अगले तीन दिनों तक स्थिति ऐसी ही रहेगी।

मंगलवार को शहर में इस मौसम की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई थी और प्रदूषण स्तर 401 के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया, जिसके कारण अधिकारियों ने निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध के अलावा कोयला और जैव ईंधन से संचालित उद्योगों के कामकाज पर एक नवंबर से 10 नवंबर तक रोक लगा दी।

राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण स्तर के बिगड़ने का सिलसिला जारी रहने पर उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त पर्यावरण प्रदूषण नियंतग्र प्राधिकरण निजी वाहनों के इस्तेमाल को नियंत्रित करने पर विचार कर रहा है। ईपीसीए ने दिल्लीवासियों से नवंबर के 10 दिनों में सार्वजनिक यातायात के साधनों का प्रयोग करने के लिए कहा है।

संपादकीय

बैंक और सरकार के बीच मतभेद

भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार के बीच मतभेद चिंताजनक है। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर विरल वी आचार्य ने सार्वजनिक रूप से यह कह कर कि केंद्रीय बैंक की आजादी की उपेक्षा करना घातक हो सकता है, निश्चय ही कुछ संदेश देने की कोशिश की है। सरकारों के साथ रिजर्व बैंक के मतभेद अनेक मुद्दों पर रहते हैं, पर उनका डिप्टी गवर्नर द्वारा सार्वजनिक किया जाना तथा वित्त मंत्री का जवाब में कुछ बोलना असामान्य स्थिति का सूचक है। आचार्य की टिप्पणी को रिजर्व बैंक के नीतिगत रुख में नरमी लाने तथा उसकी शक्तियों को कम करने के लिए सरकार के दबाव और केंद्रीय बैंक की ओर से उसके प्रतिरोध के रूप देखा जा रहा है। मोदी सरकार के साथ रिजर्व बैंक के बीच कई मुद्दों पर मतभेद की खबरें आती रही हैं। खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को बैंकों द्वारा अत्यधिक कर्ज देने तथा उसके लिए विनियमन को लचीला करने के सरकार की सोच से वह सहमत नहीं है। बैंकों के डूबे हुए कर्ज (एनपीए) यूपीए सरकार के दौरान बढ़ने का प्रधानमंत्री ने जो आंकड़ा सार्वजनिक किया, वह रिजर्व बैंक के ही विरुद्ध जाता है। अब वित्त मंत्री अरुण जेटली ने भी 2008 से 2014 के बीच सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था को कृत्रिम रूप से आगे बढ़ाने के लिए अंधाधुंध कर्ज देने की नीति के दौरान बैंकों पर अंकुश लगाने में नाकाम रहने का दोष लगाकर रिजर्व बैंक को कठघरे में खड़ा कर दिया। तब एक साल में ही कर्ज की वृद्धि दर 14 प्रतिशत से बढ़कर 31 प्रतिशत हो गया। कुछ दिनों पूर्व ही जेटली ने कहा था कि किसी भी गड़बड़ी के लिए राजनेताओं को अनुचित तरीके से आरोप झेलना पड़ता है, जबकि निगरानीकर्ता आसानी से बच निकलते हैं। वित्त मंत्री का दिया गया आंकड़ा ठीक है। बावजूद इसके सरकार और रिजर्व बैंक आमने-सामने आ जाएं, यह किसी दृष्टि से उचित नहीं है। हालांकि वित्त मंत्रालय ने साफ किया है कि कानून के तहत जो स्वायत्तता रिजर्व बैंक को मिली हुई है, वह जारी रहेगी। किंतु इसमें यह भी निहित है कि जन हित को ध्यान में रखकर ही नीतियां बनाई जा सकती हैं। इसका अर्थ हुआ कि अर्थव्यवस्था के मामले में शुद्ध आर्थिक विशेषज्ञ की दृष्टि से ही हर मामले में काम करना संभव नहीं है। कुछ कदम ऐसे उठाने पड़ेंगे जो कि आर्थिक दृष्टि से बोझ बढ़ाने वाले हों पर वह सरकार की दृष्टि में जनहितकारी हो सकता है। बहरहाल, उम्मीद करनी चाहिए कि मतभेद के बिन्दुओं को विचार-विमर्श के जरिए सुलझा लिया जाएगा।

नज़सलियों

नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ में एक बार फिर अपना क्रूर चेहरा दिखाया है। महज चार-पांच दिनों के अंदर नक्सलियों ने मीडियापर्सन समेत सात जवानों को मौत के घाट उतार दिया। पहली घटना चार दिन पहले छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में हुई। इसमें सीआरपीएफ के 4 जवान शहीद हो गएजबकि 2 लोग घायल हो गए। नक्सलियों ने यह हमला आईईडी ब्लास्ट के जरिये किया। वहीं दूसरी वारदात दंतेवाड़ा जिले में हुई, जिसमें दूरदर्शन के कैमरामैन के अलावा छत्तीसगढ़ पुलिस के दो जवान शहीद हो गए। ऐसा पहली बार हुआ है कि नक्सलियों ने मीडिया को निशाना बनाया है। मतलब नक्सली हताश हैं और उनमें अपनी मौजूदगी दिखाने की छटपटाहट साफ तौर पर सामने आ रही है। आंकड़े भी इस बात की तस्दीक करते हैं कि नक्सली हमलों में कमी आई है, मगर चिंता का सबब यह है कि सुरक्षा बल को ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा है। रह-रह कर नक्सली सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला करते रहे हैं। चुनाव से ठीक पहले नक्सलियों का हमला सरकार के इकबाल को भी चुनौती दे रहा है। दरअसल, यह दशकों पुरानी समस्या है। और किसी एक राज्य या जिले की नहीं है। कुल आठ राज्यों के 60 जिले नक्सलियों के उत्पात से पीड़ित हैं। इसमें झारखंड के 14, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10-10, मध्य प्रदेश और प. बंगाल के 8-8, बिहार के 5 और महाराष्ट्र के 2 जिले शामिल हैं। लाख सख्ती के बावजूद इनका आतंक बरकरार है, जबकि उनपर केवल बल प्रयोग से बात नहीं बनने वाली। सरकार को कई स्तर पर उनसे निपटने के उपाय अमल में लाने होंगे। जब तक हम आदिवासियों को उनके संसाधनों पर अधिकार नहीं देंगे, यह समस्या कभी खत्म नहीं होगी। दूसरा; पुलिस-सुरक्षा बलों को मिलकर लड़ना होगा। तीसरा; अधिकारियों में व्याप्त भ्रष्टाचार को नेस्तनाबूद करना होगा। विकास को जमीनी स्तर पर लागू कराना होगा। चौथा; राज्य सरकारों को अलग-अलग नीतियां बनाने के बजाय एक केंद्रीय नीति बनानी होगी। जवानों के साथ मीडियाकर्मी का इस तरह जाना दुखद है। नक्सलियों को समझना होगा कि खून-खराबे से उनकी वाजिब मांगें शून्य हो जाएंगी। मुख्यधारा में लौटना है तो उन्हें हिंसा का रास्ता तत्काल त्यागना होगा।

सत्संग

धर्म संस्कृति

भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परम्परा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। अगर करता है तो दण्डनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के संदर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग परीक्षणों के लिए गुंजाइश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मों के द्वार बंद हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है-कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धान्त में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से दी गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितान्त आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदण्ड से बचने के अनेक हथकण्डे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले यह न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। अगले दिनों वे भी अदृश्य व्यवस्था के आधार पर मिल कर रहेंगे। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मों की उपलब्धियों से निराश बन सकता है। भारतीय संस्कृति ऋषि संस्कृति है, देव संस्कृति है। आवश्यकता इसकी है कि हम अपनी वर्तमान मान्यताओं को विकृतियों के दलदल से निकालें और प्राचीन काल जैसी उच्च स्थिति में पहुंचें। यदि ऐसा हुआ तो आज की स्थिति में भी अपनी महान संस्कृति पर गर्व कर सकेंगे।

''पोस्ट-वार पेसिफिस्ट संविधान'

पासवान और कुशवाहा के एनडीए में शामिल होने से भाजपा को बिहार में लोक सभा की तीन चौथाई सीटें हासिल हुई थीं। शेष दलों, जिनमें राजद, कांग्रेस, जेडीयू और एनसीपी थे, को चालीस में से नौ सीटें ही मिल सकी थीं। नीतीश एक नाटकीय घटनाक्रम के बाद जुलाई, 2016 में एनडीए में शामिल हुए। मुख्यमंत्री पद तो हासिल किया ही, बिहार एनडीए के अगुआ भी बन गए। स्वाभाविक है यह स्थिति पासवान और कुशवाहा को नागवार लगती है। पासवान तो दम साधे बैठे हैं, लेकिन कुशवाहा की सक्रियता और प्रतिक्रिया कभी-कभार दिखती है। लालू प्रसाद की पार्टी राजद भी उन्हें अपने साथ लाने को उत्सुक है। इसलिए कुल मिलाकर खबर बनती है कि अमित-नीतीश की प्रेस कांफ्रेंस ने बिहार एनडीए में नकारात्मक उथल-पुथल मचा दी है।

सतीश पेडणोकर

भारत और जापान इतिहास और संस्कृति के जीवंत रिश्तों, विासों और जरूरतों की अन्योन्याश्रिताओं को पोषित करते हुए अब नियंतण्र विकास तथा सामरिक-रणनीतिक साझेदारी की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्ट्रांग इंडिया-स्ट्रांग जापान के जरिए आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं तो शिंजो आबे मोदी के भरोसे के सहारे भारत के साथ ताल-कदम मिलाने की। लेकिन क्या इस दोस्ती से हम निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि भारत-जापान मिलकर केप ऑफ गुड होप से लेकर भारत-प्रशांत की व्यापक परिधियों तक कॉम्प्रीहेंसिव साझेदारी का निर्माण करने में सफल हो पाएंगे? सवाल यह भी है कि क्या भारत-जापान नियंतण्र फ लक पर ऐसे प्रतियोगी विकास की बुनियाद रख पाएंगे जो चीन की नियंतण्र इंफ्रा-इकोनॉमिक स्ट्रैटेजी (विशेषकर वन बेल्ट वन रूट) को चुनौती दे सके? कभी-कभी लगता है कि जापान चीन के विरुद्ध नई रणनीति पर आगे बढ़ने में भारत पर पूरी तरह से भरोसा नहीं कर पा रहा है, क्या अब आगे वह ऐसा करने में समर्थ होगा? जब एशिया रणनीतिक पुनर्रचना (स्ट्रैटेजिक रिशेपिंग) से गुजर रहा हो और चीन इसमें ऐसे स्थायी खांचों का निर्माण करने के लिए हर संभव यत्न कर रहा हो जिनमें वह अपने आप को एक ग्लोबल लीडर के रूप में फिट कर सके, क्या जापान और भारत मिलकर उसे पीछे धकेल पाएंगे? भारत-जापान-अमेरिका त्रिभुज या भारत-जापान-अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया चतुभरुज (या रणनीति की तकनीकी शब्दावली में कहें तो नई दिल्ली-टोक्यो-वाशिंगटन धुरी या नई दिल्ली-टोक्यो-वाशिंगटन-कैनबरा धुरी) की जो कवायदें चल रही हैं, वे उन स्थितियों में सफल हो पाएंगी जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक अनिश्चित, असंभ्रांत एवं प्रतिक्रियावादी विदेश नीति को प्रश्रय दे रहे हों? मोदी 29 अक्टूबर को टोक्यो में शिंजो आबे से 12वीं बार और शिखर सम्मेलन में 5वीं बार मिले। टोक्यो में मोदी ने अपने संबोधन के जरिए दुनिया को बताने का प्रयास किया कि भारत-जापान अफ्रीका और दुनिया के अन्य हिस्सों में ठोस विकास के प्रयास में संयुक्त तौर पर निवेश करना चाहते हैं। हालांकि इस सम्बंध में शिंजो आबे 2016 में ही घोषणा कर चुके हैं। जहां तक द्विपक्षीय संबंधों की बात है तो भारत के लिए जापान इस समय काफी अहम दिखाई दे रहा है। इसके कई कारण हैं। एक तो यह कि जापान तकनीक के क्षेत्र में एशिया का सबसे एडवांस देश है, और भारत को तकनीकी उन्नयन एवं विकास की जरूरत है। दूसरा यह कि भारत-प्रशांत क्षेत्र में जो समीकरण बन रहे हैं, उनमें भारत को अपने पक्ष में संतुलन बनाए रखना है, तो जापान के साथ समग्र एवं अन्योन्याश्रितता की साझेदारी करनी होगी। फिर इसे थाईलैंड, वियतनाम, कंबोडिया, फिलीपींस आदि तक विस्तार देना होगा। कारण यह है कि इस क्षेत्र में अब अनिश्चितता और गैर-संभ्रांतता वाली प्रतियोगिता अधिक दिखने लगी है। उदाहरण के तौर पर चीन अपने आर्थिक आकार के कारण अपनी सैन्य क्षमता का विस्तार कर रहा है। दूसरी तरफ रूस इस समय ''पीवोट टू एशिया' पर काम कर रहा है। उसका मुख्य फोकस है पूर्वी एशिया में रक्षा सहयोग के जरिए स्थायी पैठ सुनिश्चित करना। ऐसे में रूस और चीन बेहतर साझेदारी निर्मित कर ले जाते हैं, जो अभी संभव नहीं दिखाई देती, तो फिर उसकी काट ढूंढ़ना मुश्किल हो जाएगी। तीसरा पक्ष ऑस्ट्रेलिया है, जिसकी दिशा अभी स्पष्ट नहीं है क्योंकि वह चीन के खिलाफजाने का निर्णायक मनोविज्ञान विकसित नहीं कर पाया है। अंतिम और सबसे निर्णायक पक्ष अमेरिका है, जिसकी विदेश नीति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की असंभ्रांत, अनिश्चित और दिशाहीन सक्रियता का शिकार है, इसलिए उससे स्थायी भरोसा नहीं किया जा सकता। हालांकि भारत से पहले ही अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ एक रणनीतिक चतुभरुज का निर्माण कर चुका है, जिसका मुक्त उद्देश्य तो कनेक्टिविटी एवं मैरीटाइम सिक्योरिटी है, लेकिन इसके पीछे अमेरिका और जापान का एक छुपा हुआ उद्देश्य चीनी विस्तार को रोकना भी है, लेकिन ट्रंपियन युग में इस पर किसी निष्कर्ष तक पहुंचाना मुश्किल होगा। लेकिन भारत के लिए जरूरी है कि हिन्द महासागर में अपनी स्थिति का आकलन कर जापानी सहयोग से सॉफ्ट और स्ट्रैटेजिक पॉवर का विस्तार करे। अनमेन्ड एरियल विहीकल्स, रोबोटिक्स आदि क्षेत्र में संयुक्त परियोजनाओं को व्यावहारिक आकार दे। रही बात जापान की तो चीन दक्षिण चीन सागर में एकाधिकार चाहता है। जापान की खिल्ली उड़ाने के अंदाज में वह उसे एक स्खलित राष्ट्र की संज्ञा तक दे जाता है। ध्यान रहे कि उसने नये हवाई क्षेत्र प्रतिबंध को लागू करने का निर्णय लिया है, जिसके दायरे में सेनकाकू (जापानी नाम) भी आता है, या कहें तो वह स्प्राटली द्वीप का विवाद (वियतनाम, ताइवान के साथ) पैदा कर रहा है। चीन का यह मनोविज्ञान आबे को ''पोस्ट-वार पेसिफिस्ट संविधान' में संशोधन कर नई रक्षा नीति बनाने की जरूरत भी महसूस करा रहा है। संभव है कि जापान अमेरिकी छतरी से बाहर आकर अपना सुरक्षा कवच स्वयं तैयार करना चाहे। ऐसे में उसे भारत की और अधिक जरूरत होगी। यह भी देखना होगा कि चीन के एक महाशक्ति के रूप सामने आते ही शक्ति संतुलन का केंद्र वाशिंगटन से बीजिंग कैसे खिसकता है, या शी जिनपिंग इस तरह का प्रयास किस प्रकार करते हैं। इन्हीं रणनीतियों, सक्रियताओं एवं संयोजनों के अनुसार नई दिल्ली-टोक्यो के बीच भी नये संयोजनों की जरूरत होगी। संभवत: दोनों देशों के बीच ''टू प्लस टू डायलॉग' पर सहमति इन्हीं उद्विकासों का परिणाम है। भारत और जापान सुरक्षा सहयोग में ''टू प्लस टू डायलॉग', द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय मैरीटाइम एक्सरसाइज तथा हथियारों की बिक्री शामिल होगी। उल्लेखनीय है कि सब-कैबिनेट/सीनियर ऑफिसियल्स के स्तर पर ''टू प्लस टू डायलॉग' के लिए नई दिल्ली और टोक्यो के बीच सहमति बनाने का प्रयास 2009 में ही शुरू हो गया था लेकिन अंतिम निष्कर्ष तक अब पहुंच पाए। इस देरी के लिए संभवत: जापान के कुछ संकोच और हिचकिचाहटें जिम्मेदार रहीं। फिलहाल, दोनों देशों की जियो-पॉलिटिकल रणनीति में काफी समानता है। मोदी की ''एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और आबे की ''फ्रीएंड ओपन इंडो पैसिफिक पॉलिसी' निर्णायक बॉण्ड बनाती नजर आ रही है। देखना है कि मोदी की स्मार्ट डिप्लोमेसी और शिंजो का मोदी फेथ दोनों देशों के रिश्तों को किन सिरों तक विस्तार दे पाता है।

चलते चलते

थकान

कुछ दिन पहले ही तो इतने ढ़ोल पीटे जा रहे थे कि दिल्ली की आबोहवा एकदम साफ हो गयी है। दिल्ली की आबोहवा साफ होने के लिए केरल में बाढ़ या ओडिशा और आंध्रप्रदेश में चक्रवात का आना जरूरी तो नहीं होना चाहिए। पर लगता ऐसा ही है। जब तक बाढ़ थी, तूफान था, चक्रवात था, मॉनसून था, आबोहवा खूब साफ रही। लगता है अब बारहों महीने मॉनसून रखना पड़ेगा। भैया चीन तो कर लेगा। उसने तो कृत्रिम चांद भी बना लिया, उसे जरूरत पड़ेगी तो बारहों महीने मॉनसून का भी इंतजाम कर लेगा। पर हमारे यहां तो बारहों महीने सिर्फ दोषारोपण होता है। एकरूपता यही है, बाकी खूब विविधता है। विविधता खोनी नहीं चाहिए। खैर, जब यह घोषणा हुई कि आबोहवा साफ है तब लोगों ने सिर्फ चैन की सांस ही नहीं ली थी बल्कि

दिल्ली की आबोहवा साफ होने के लिए केरल में बाढ़ या ओडिशा और आंध्रप्रदेश में चक्रवात का आना जरूरी तो नहीं होना चाहिए। पर लगता ऐसा ही है। जब तक बाढ़ थी, तूफान था, चक्रवात था, मॉनसून था, आबोहवा खूब साफ रही। लगता है अब बारहों महीने मॉनसून रखना पड़ेगा। भैया चीन तो कर लेगा। उसने तो कृत्रिम चांद भी बना लिया।

लंबी-लंबी सांसें खींच वह शुद्ध हवा भी अपने फेफड़ों में भर ली थी। इसके लिए योग जरूरी नहीं है, खुशी ही काफी है। पर समस्या यह है कि इंसान के फेफड़े फुटबाल नहीं हैं कि एक बार भरी हुई हवा काफी दिन तक काम आती रहे। तो कल तक जिस आबोहवा को एकदम साफ बताया जा रहा था। अब इसमें फिर दम घुट रहा है। घुट के मर जाऊं यह मर्जी मेरे सैयाद की है। सैयाद कौन है भैया?न उद्योगपति हैं, न लंबी-लंबी गाड़ियांवाले रईसजादे हैं, न सरकार है, लगता है किसान ही है। वह पराली जो जलाता है। मोहल्ले के बाबू से लेकर देश की सरकार और नासा तक सब उसे ही जिम्मेदार ठहराते हैं। नासा तो बिल्कुल तस्वीर दिखाकर बता देता है कि देखो कितनी पराली जल रही है। यह वैसे ही है जैसे अमरीका जहां जरूरत पड़े वहां मानवाधिकारों का उल्लंघन दिखा देता है। दोषी तो वही, जिसके खिलाफ परिस्थितिजन्य साक्ष्य हों। उसकी पराली जलती हुयी दिख जाती है, उसकी चिता जलते हुए नहीं दिखती। उसका दिल जलता हुआ किसी को नहीं दिखता। सड़कों पर बंपर टू बंपर गाड़ियां नहीं दिखती। गाड़ियां के विज्ञापन तो सुंदर कन्याएं करती हैं। उसे कौन दोषी ठहराए। पराली का विज्ञापन कोई नहीं करता। यह विज्ञापन का युग है जनाब। न ऑटोमोबाइल, न उद्योग-धंधे इसके लिए जिम्मेदार हैं सिर्फ किसान और उसकी पराली ही जिम्मेदार हैं।

लोकतांत्रिक व्यवस्था

पर्यावरण के साथ न्याय कौन करेगा? सरकार या अदालत? ये सवाल लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने चुनौती पेश कर रहे हैं क्योंकि हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेश राज्य और केंद्र सरकार के कामकाज पर कड़ी टिप्पणी सरीखे हैं। ताजा घटना है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में शामिल चारधाम सड़क चौड़ीकरण परियोजना की। इसे उन्होंने 27 दिसम्बर, 2016 में देहरादून में ऑलवेदर रोड कहा था।

इसके निमार्ण में घोर लापरवाही के चलते सुप्रीम कोर्ट ने 22 अक्टूबर, 2018 को अपनी ऐतिहासिक आदेश में सड़क चौड़ीकरण कार्य को रोक दिया है। इस पर अब 15 नवम्बर को सुनवाई होनी है। ऑलवेदर रोड को चारधाम महामार्ग विकास परियोजना के रूप में भी मंजूरी मिली है।

इसके तहत गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के लिए जाने वाली मौजूदा सड़क, जिसकी चौड़ाई 5 से 10 मीटर है, का 10 से 24 मीटर तक पर्यावरणीय स्वीकृति के बिना चौड़ीकरण किया जा रहा है।

इस परियोजना के नाम पर देखें तो 50 हजार से अधिक हरे पेड़ों को काटा जा रहा है। शासन-प्रशासन ईमानदारी से जांच करें तो मानक से कहीं अधिक पेड़ काटे गएहैं।

रुद्रप्रयाग और चमोली जिला प्रशासन के हवाले से बताया गया कि सड़क चौड़ीकरण 10 से 12 मीटर तक ही किया जाना है। यह सच्चाई है तो पेड़ों का कटान 24 से 30 मीटर तक क्यों किया जा रहा है? इस पर वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने 6 अप्रैल, 2018 को एनजीटी में दाखिल हलफ नामे में कहा था कि उसने चारधाम नाम से किसी भी सड़क के निमार्ण को मंजूरी नहीं दी है। यदि यह सत्य माना जाए तो 53 हिस्सों में उन्होंने जिस निमार्ण के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति दी है, उनका नाम क्या है? चारधाम महामार्ग विकास निमार्ण का लाखों टन मलबा सीधे गंगा और इसकी सहायक नदियों में उंडेला जा रहा है। गंगोत्री मार्ग पर बडेथी, धरासू आदि स्थानों में मलवा भागीरथी में गिर रहा है।

उत्तरकाशी के जिलाधिकारी ने बडेथी के पास निर्माण कार्य के मलवे के लिए डंपिंग जोन बनाने का निदेर्श दिया था। इसके बावजूद भगीरथी में मलवा गिरता ही रहता है। एनजीटी ने अप्रैल, 2018 में मलवा निस्तारण के लिए एक प्लान दाखिल करने का आदेश केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को दिया था। वर्ष 2017 में एनजीटी ने बीआरओ (बॉर्डर रोड आग्रेनाइजेशन) के भरोसे ही एक याचिका का निस्तारण किया था, जिसमें बीआरओ ने भागीरथी में निमार्ण का मलवा रोकने के लिए भागीरथी इको सेंसिटिव जोन नोटिफिकेशन 18 दिसम्बर, 2012 के अनुपालन का वचन दिया था।

इसका पालन भगवान भरोसे है। इसी प्रकार एनजीटी ने अप्रैल, 2018 में भी एक अंतरिम आदेश में कहा था कि चारधाम चौड़ीकरण में पेड़ों की कटाई पर रोक है।

इसके बाद भी पेड़ कटते रहे हैं। हिमालय के इस महत्त्वपूर्ण भूभाग में पर्यावरणविद्, सामाजिक कार्यकताओं, वैज्ञानिकों की राय है कि विकास के नाम पर मर्यादित छेड़छाड़ करने में भी संयम रखना चाहिए। ऐसी स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय पर्यावरण और विकास की बाबत सरकार को कितना समझाएगा या प्यावरण मानकों के अनुसार कदम उठाने को कहने में सफल हो पाएगा? इस पर 15 नवम्बर 2018 को होने वाली सुनवाई से ही पता चल पाएगा। फिलहाल तो देवभूमि के पर्यावरण पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

फोटोग्राफी...

''रन फॉर यूनिटी'

गुरुग्राम में ''रन फॉर यूनिटी' में हिस्सा लेते केंद्रीय कामर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर सुरेश प्रभु। तवांग में ''रन फॉर यूनिटी' में हिस्सा लेते अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू। पटना में ''रन फॉर यूनिटी' में हिस्सा लेते केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे और रामकृपाल यादव।

भारत सैफ अंडर-15 चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में बांग्लादेश से हारा

काठमांडू। गत चैम्पियन भारत गुरूवार को सेमीफाइनल में पड़ोसी देश बांग्लादेश से पेनल्टी में हारकर सैफ अंडर-15 फुटबाल चैम्पियनशिप से बाहर हो गया। भारत ने हर्ष पात्रे के दूर से किये गये गोल से पहले हाफ में बढ़त बना ली थी लेकिन अशकुल रहमान के 93वें मिनट में किये गये गोल से मैच निर्धारित समय में खत्म नहीं हो सका। इसके बाद भारतीय टीम को निराशा का सामना करना पड़ा और बांग्लादेश ने पेनल्टी में 4-2 से जीत दर्ज की। भारत पहली दो पेनल्टी में चूक गया जिससे खिलाड़ियों पर दबाव बढ़ गया जबकि बांग्लादेश ने अपनी चारों स्पाट-किक को गोल में तब्दील किया और फाइनल में प्रवेश किया। भारत अब शनिवार को होने वाले कांस्य पदक के मुकाबले में खेलेगा।

नडाल ने किया कुछ ऐसा कि जोकोविच का नंबर-1 बनना तय

पेरिस। स्टार टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने पेरिस मास्टर्स से अपना नाम वापस ले लिया है। स्पेन के इस खिलाड़ी के नाम वापस लेने से सर्बिया के नोवाक जोकोविच का नंबर-1 बनना तय हो गया है। नडाल ने पेट की मांसपेशियो में तकलीफ के चलते अपना नाम वापस लिया और इसका सबसे बड़ा फायदा जोकोविच को मिलेगा। नडाल ने आनन फानन में बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मेरे पेट की मांसपेशियों में तकलीफ है। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि मुझे नहीं खेलना चाहिए।' जोकोविच अगले सोमवार को जारी होने वाली एटीपी रैंकिंग में नंबर एक पर काबिज हो जाएंगे। स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर 2015 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं जो 100वें एटीपी खिताब से एक जीत की दूरी पर हैं। पेरिस मास्टर्स में जोकोविच और फेडरर पर फैन्स की नजर होगी।

छेड़छाड़ प्रकरण के बाद बना दबाव, पीवर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का अध्यक्ष पद छोड़ा

सिडनी। गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के कारण बेहद दबाव का सामना कर रहे क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अध्यक्ष डेविड पीवर ने गुरुवार को पद छोड़ दिया। इस प्रकरण के कारण पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ, उप कप्तान डेविड वार्नर और कैनरम बेनक्राफ्ट पर प्रतिबंध लगे जबकि कई आला अधिकारियों को पद छोड़ने पड़े। पीवर को पिछले हफ्ते ही तीन साल के नए कार्यकाल के लिए पद पर चुना गया था। उनके चयन के एक दिन बाद हालांकि धोखाधड़ी प्रकरण में स्वतंत्र समीक्षा रिपोर्ट आई थी जिसमें संचालन संस्था को फटकार लगाई गई थी।

इसके बाद खुलासा हुआ कि सीए द्वारा नियुक्त समिति की रिपोर्ट को देश के राज्यों से छिपाकर रखा गया जिन्होंने अध्यक्ष पद पर पीवर का पुनः चयन किया। इस खुलासे के बाद से पीवर के इस्तीफे की मांग होने लगी थी। संचालन संस्था ने बयान में कहा, 'क्रिकेट आस्ट्रेलिया आज पुष्टि करता है कि डेविड पीवर ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में इस्तीफे की घोषणा की है।'

उपाध्यक्ष अर्ल एडिंग्स को अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सीए के मुख्य कार्यकारी जेम्स सदरलैंड, कोच डेरेन लीमैन और टीम परफोर्मेंस प्रमुख पैट होवार्ड को इस प्रकरण के बाद अपने पद गंवाने पड़े लेकिन पीवर अब तक बोर्ड से जुड़े रहे थे। एडिंग्स ने कहा, 'हम क्रिकेट आस्ट्रेलिया और आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के उबरने और पुनर्गठन की महत्वपूर्ण प्रक्रिया जारी रखने को लेकर उत्सुक हैं।' उन्होंने कहा, 'बोर्ड को पता है कि हमें क्रिकेट समुदाय का विश्वास दोबारा हासिल करने के लिए लंबा सफर तय करना होगा। मैं और कार्यकारी टीम क्रिकेट को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

भारत ने वेस्टइंडीज को हराकर घरेलू सरजमीं पर लगातार छठी सीरीज जीती

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

भारतीय टीम ने गुरूवार को यहां पांचवें और अंतिम वनडे में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से रौंदकर घरेलू सरजमीं पर लगातार छठी श्रृंखला अपने नाम की। बायें हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा के चार विकेट की मदद से भारत ने यहां ग्रीनफील्ड स्टेडियम में वेस्टइंडीज को महज 31-5 ओवर में 104 रन पर समेट दिया। तेज गेंदबाज खलील अहमद और जसप्रीत बुमराह ने दो दो विकेट प्राप्त किये।

घरेलू टीम को इस अदना से लक्ष्य को हासिल करने में महज 14-5 ओवर लगे जिसमें रोहित शर्मा (54 गेंद में 62 रन) और कप्तान विराट कोहली (29 गेंद में 33 रन) ने दूसरे विकेट के लिये नाबाद 99 रन की साझेदारी निभायी। शिखर धवन (06) फिर कम स्कोर पर आउट हो गये। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने पहले तीन वनडे में काफी प्रतिस्पर्धी खेल दिखाया था लेकिन गुरूवार को उन्होंने पूरी तरह घुटने टेक दिये। मुंबई में पिछले मैच में भी मेजबान टीम ने दबदबा बनाया था और इस तरह उन्होंने श्रृंखला 3-1 से जीत ली।

भारत को पिछली बार घरेलू सरजमीं पर श्रृंखला में 2015 में हार मिली थी जिसमें वे दक्षिण अफ्रीका से 2-3 से पराजित हो गये थे। शानदार प्रदर्शन करने वाले गेंदबाजों ने बड़ी जीत की नींव रखी जिसके बाद मेजबान टीम ने 105 रन के लक्ष्य को पूरा करने में जरा भी समय बर्बाद नहीं किया। रोहित ने भी बेहतरीन फार्म जारी रखते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया और इस दौरान वह कैलेंडर वर्ष 2018 में 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गये। उन्होंने वनडे में अपना 200वां छक्का भी जड़ा।

भारतीय उप कप्तान जब 18 रन पर थे, उन्हें ओशाने थामस की गेंद पर शाई होप ने जीवनदान दिया। उन्होंने इस जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए अपनी नाबाद पारी के दौरान पांच चौके और चार गगनचुंबी छक्के जड़े। कोहली भी दूसरे छोर पर मजबूती से टिके थे जिनकी पारी में छह चौके शामिल रहे। भारत के लिये हालांकि धवन का इस तरह आउट होना मायूस करने वाला रहा क्योंकि वह थामस की गेंद पर बोल्ड हो गये जिनकी लाइन एवं लेंथ इतनी सटीक नहीं थी।

मेहमान टीम के कप्तान जेसन होल्डर ने टास जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन वे शुरू से ही मुश्किल में दिखे। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कीरोन पावेल को चौथी ही गेंद पर आउट किया, यह बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सका था और विकेट के पीछे महेंद्र सिंह धोनी को कैच दे बैठा। शाई होप इस दौरे पर शिमरोन हेटमायेर

के साथ वेस्टइंडीज के बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन बुमराह ने दूसरे ओवर में खूबसूरत गेंद पर उनका विकेट झटका जिससे टीम का स्कोर दो विकेट पर दो रन था।

अनुभवी खिलाड़ी मार्लोन सैमुअल्स से टीम को काफी उम्मीदें थी, उन्होंने कुछ बेहतरीन बाउंड्री और पारी का एकमात्र छक्का जड़कर इन्हें पूरा करने का प्रयास किया। भारतीय दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पहली बाउंड्री छठे ओवर में लगी जब रोवमैन पावेल ने बुमराह की गेंद को उठाकर इस पर चौका लगाया। सैमुअल्स की 24 रन की पारी भी 12वें ओवर में समाप्त हो गयी जब जडेजा की गेंद पर कप्तान विराट कोहली ने शानदार कैच लिया।

होल्डर ने संयम से खेलते हुए भारतीय गेंदबाजों का सामना करना जारी रखा लेकिन वह भी ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके और 25 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने खलील अहमद की गेंद को ऊपर खेलने का प्रयास किया और डीप में खड़े केदार जाधव ने दौड़ते हुए उनका कैच लिया। इसके बाद स्पिनरों ने पुछल्ले बल्लेबाजों को समेट दिया।

राहुल द्रविड़ आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल, गावस्कर ने सौंपी स्मारिका कैप

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ को गुरुवार को यहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले संक्षिप्त समारोह में आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल किया गया। द्रविड़ आईसीसी हाल आफ फेम में जगह बनाने वाले भारत के सिर्फ पांचवें क्रिकेटर हैं। भारत के पूर्व महान सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने द्रविड़ को स्मारिका कैप सौंपी ।

आईसीसी ने दो जुलाई को द्रविड़ को हाल आफ फेम में शामिल करने की घोषणा की थी। द्रविड़ से पहले भारतीय क्रिकेटरों में बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, गावस्कर और अनिल कुंबले को इस एलीट सूची में जगह मिल चुकी है। द्रविड़ ने 164 टेस्ट में 36 शतक की मदद से 13288 रन जबकि 344 वनडे में 12 शतक की मदद से 10889 रन बनाए। उन्हें 2004 में आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर और साल का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर भी चुना गया।

एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले द्रविड़ बेहतरीन स्लिप क्षेत्ररक्षक भी थे। उन्होंने

2012 में खत्म हुए अपने टेस्ट करियर के दौरान विश्व रिकार्ड 210 कैच लपके। हाल आफ फेम में शामिल किए जाने के बाद आईसीसी ने विज्ञप्ति में द्रविड़ के हवाले से कहा, ''आईसीसी द्वारा क्रिकेट हाल आफ फेम में शामिल किया जाना बड़े सम्मान की बात है। सभी पीढ़ियों के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम देखना ऐसी चीज है जिसका क्रिकेट करियर के दौरान सपना ही देखा जा सकता है।''

पाक कोच ने कहा- खेलना चाहता था एसीटी फाइनल, भारत ने झूठा करार दिया

कराची (एजेंसी)।

एशियाई चैम्पियंस ट्राफी संयुक्त रूप से जीतने के बाद भारत और पाकिस्तान शब्दों की जंग में उलझ गए जब पाकिस्तानी कोच ने कहा कि वे पिच गीली होने के बावजूद फाइनल खेलना चाहते थे। मस्कट में रविवार को फाइनल के दौरान भारी बारिश के कारण मैच रद्द करना पड़ा। बाद में भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। सरदार ने कहा कि पिच गीली होने के बावजूद उनकी टीम खेलना चाहती थी। हाकी इंडिया के एक अधिकारी ने हालांकि इस दावे को सरासर झूठ करार देते हुए कहा कि पाकिस्तान की सुबह वापसी की उड़ान थी और उसे लौटने की जल्दी थी।

सरदार ने कहा कि हमारे लड़के फाइनल मैच के लिये तैयार थे। भारी बारिश के बाद भी हमने आयोजकों से कहा कि यदि वे चाहे तो हम फाइनल खेलने को तैयार हैं लेकिन भारतीयों ने मना कर दिया। हाकी इंडिया के अधिकारी ने कहा कि यह साफ झूठ है। पाकिस्तान खेलना नहीं चाहता था क्योंकि उसकी सुबह तीन बजे वापसी की उड़ान थी। हमारी फ्लाइट अगले दिन थी तो हमें कोई परेशानी नहीं थी।

अंडर 19 महिला टी 20 चैलेंजर ट्रॉफी के लिए हुई टीम की घोषणा

नयी दिल्ली। ई पद्मजा, नीतू गौड़ और आयुशी सोनी को गुंटूर में 12 से 16 नवंबर तक होने वाली अंडर 19 महिला टी20 चैलेंजर ट्राफी के लिए क्रमशः इंडिया ब्ल्यू, इंडिया रेड और इंडिया ग्रीन का कप्तान नियुक्त किया गया है। टीमें इस प्रकार हैं– इंडिया अंडर 19 ब्ल्यू-ई पद्मजा (कप्तान), लतिका इनामदार, शोभा देवी, गायत्री गुरंग, अंकिता चक्रवर्ती, एसबी किर्तना, काजल जेना, रुतविषा पटेल, अंजलि सिंह, सुमन मीना, तराना प्रधान, मौली मंडल और अदिति गायकवाड़।

इंडिया अंडर 19 रेड: नीतू गौड़ (कप्तान), जी सिंधूजा, मुस्कान मलिक, शिवानी सिंह, वी पुष्पलता, मनप्रीत कौर, रिचा, के धात्री, अंघा एम, तान्या राव, सयाली सतघरे, सिमरन, तेजस्विनी दुरागढ़।

इंडिया अंडर 19 ग्रीन: आयुशी सोनी (कप्तान), एम दुर्गा, चित्रा, सिंह जामवाल, दृश्या आई वी, सेजल राउत, शेफाली वर्मा, सयूज्या सालीलान, जी तृषा, अमनज्योत कौर, प्रज्ञा रावत, नित्या तिवारी, शरणया गदवाल और पूनम सोनी।

पाकिस्तानी खिलाड़ी अजहर अली ने एकदिवसीय क्रिकेट से लिया संन्यास

कराची। पाकिस्तान के सीनियर बल्लेबाज अजहर अली ने गुरूवार को अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की ताकि वह अपना पूरा ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर लगा सके। तैंतीस साल के इस खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने यह फैसला इसलिए किया है ताकि अपना पूरा ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर लगा सकें और उन्हें लगा कि ऐसा करने के लिये यह सही समय है। उन्होंने लाहौर में पत्रकारों को कहा, 'अपना फैसला सुनाने से पहले मैंने मुख्य चयनकर्ता, कप्तान और पीसीबी के चेयरमैन से बात की थी। मैंने काफी सोच-विचार कर यह फैसला किया है।'

अजहर ने अपना आखिरी एकदिवसीय मैच इसी साल जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उन्होंने 53 एकदिवसीय में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया है जिसमें उनका औसत 36-90 और स्ट्राइक रेट 74-45 का रहा है। टेस्ट क्रिकेट में उनका रिकार्ड शानदार रहा है। जिसमें उन्होंने एक तिहरा और एक दोहरा शतक बनाया है।

इंजीनियर ने इमरान से भारत-पाक टेस्ट क्रिकेट दोबारा शुरू करने की अपील की

लंदन। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर ने पाकिस्तान के क्रिकेट कप्तान से प्रधानमंत्री बने इमरान खान से अपील की है कि वह अपने राजनीति रुतबे का इस्तेमाल करें और भारत तथा पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध दोबारा शुरू करें। मुंबई में 2008 में हुए आतंकी हमले के बाद से राजनीतिक तनाव के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध नहीं हैं और दोनों देश विश्व कप और एशिया कप जैसे कई देशों की मौजूदगी वाले टूर्नामेंट में ही आपस में खेलते हैं। दोनों देशों के बीच पिछली बार टेस्ट मैच 2007 में बेंगलुरू में खेल गया था। इस हफ्ते लंदन में पहले रणजी स्मृति सार्वजनिक संवाद के दौरान 1960 और 70 के दशक के आक्रामक खिलाड़ी इंजीनियर ने कहा, ''इमरान खान, वह अब प्रधानमंत्री हैं। उम्मीद करता हूं कि भारत और पाकिस्तान बातचीत शुरू करेंगे।''

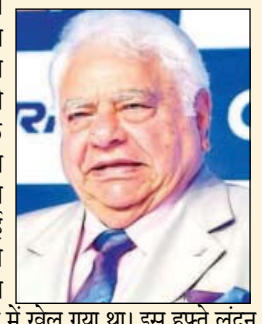

ऑस्ट्रेलिया सीरीज को लेकर बोले तेंदुलकर, हमारे पास है शानदार मौका

नवी मुंबई (एजेंसी)।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि दो अहम खिलाड़ियों स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर के आस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा नहीं होने के कारण भारत के पास इस देश के दौरे पर कुछ विशेष करने का बेहतरीन मौका है। आगामी दौरे में भारत की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर तेंदुलकर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे पास बड़ा मौका है (आस्ट्रेलिया में)। आपने (रिपोर्टर ने) सही पूछा, आस्ट्रेलियाई टीम उस तरह की टीम नजर नहीं आती जैसी हुआ करती थी और स्मिथ तथा वार्नर भी नहीं हैं। यह वहां जाकर कुछ विशेष करने का बेहतरीन मौका है।'

भारत दौरे की शुरूआत तीन टी20 मैचों के साथ करेगा जिसके बाद छह दिसंबर से एडिलेड में चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेली जाएगी। मार्च में दक्षिण अफ्रीका में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण में भूमिका के कारण स्मिथ और वार्नर पर एक-एक साल जबकि कैमरन बेनक्राफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगाया गया था। गुरुवार सुबह यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में तेंदुलकर मिडिलसेक्स अकादमी का पहला भारतीय शिविर शुरू होने के बाद यह दिग्गज खिलाड़ी संवाददाताओं से बात कर रहा था। तेंदुलकर के बचपन के दोस्त और पूर्व भारतीय बल्लेबाज विनोद कांबली भी बच्चों के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। यह दोनों खिलाड़ी वर्षों बाद मैदान पर साथ आए हैं।

तेंदुलकर ने साथ ही कहा कि वह इस बहस में नहीं पड़ना चाहते कि स्मिथ और वार्नर पर लगा प्रतिबंध कम किया जाए या नहीं। आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के संघ ने आसट्रेलियाई क्रिकेट की सांस्कृतिक समीक्षा से जुड़ी रिपोर्ट आने के बाद स्मिथ, वार्नर और बेनक्राफ्ट पर लगे प्रतिबंध हटाने की मांग की थी। यह पूछने पर क्या वह इन दोनों खिलाड़ियों को खेलते हुए देखना चाहेंगे, तेंदुलकर ने कहा, 'निश्चित तौर पर मैं अच्छा क्रिकेट देखना चाहूंगा (आस्ट्रेलिया में)। वे दोनों (स्मिथ और वार्नर) विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। इसलिए मैं इस बहस में नहीं पड़ना चाहता कि प्रतिबंध हटाया जाए या नहीं।'

तेंदुलकर ने बायें हाथ के युवा तेज गेंदबाज खलील अहमद की भी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अब तक इस गेंदबाज को जितना भी देखा है उसमें वह अच्छा नजर आया है। एशिया कप में प्रभावित करने वाले खलील ने सोमवार को मुंबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे वनडे में तीन विकेट चटकाए। डीवाई पाटिल स्टेडियम के बाद अकादमी का शिविर बांद्रा में छह से नौ नवंबर तथा पुणे के बिशप्स स्कूल में 12 से 15 और 17 से 20 नवंबर तक लगाया जाएगा।

कपड़ा व्यापारी को लगाया लाखों का चूना

सूरत। शहर के कपड़ा बाजार में व्यापारी ने दलाल के माध्यम से 15.41 लाख रूपए का माल खरीदने के पेमेन्ट नहीं चुकाकर दुकान बंद कर रफुचक्कर हो गया।

महीधरपुरा पुलिस सूत्रों के अनुसार पार्ले प्वॉइन्ट स्थित प्लेटिनम रेसीडेन्सी निवासी मनीष महेन्द्रा शाह कपड़ा कारोबारी है। उनके पास से गत अगस्त माह में बेगमपुरा में मिलन ए पायर के नाम से दुकान चलानेवाले सादीक गुलाब शेख ने दलाल राजेश शर्मा के माध्यम से 15,41,568 रूपए का माल खरीदी था। बारंबार पेमेन्ट की वसूली किए जाने के बावजूद पेमेन्ट नहीं चुकाया। व्यापारी ने कर्मचारी केा उसके दुकान पर भेजा तो दुकान पर दूसरा ही व्यापारी बैठा था। इस बीच पेमेंट चुकाने के वादे किए फिर भी तय वादे पर पेमेन्ट हनहीं चुकाकर अपना मोबाइल फोन भी बंद कर धोखाधड़ी की। पुलिसने मनीष शाह की शिकायत के आधार पर सादीक शेख और दलाल राजेश शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एक ही प्लॉट दो लोगों को बेचकर की ठगी

सूरत। शहर के सरथाणा जकातनाका व्रजभूमि रो हाउस में स्थित प्लॉट को दो लोगों बेचकर रूपए वसूलकर ठगी करनेवाले प्लॉट मालिक के खिलाफ पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार

वालक पाटिया के पास व्रजभूमि रो हाउस में बावचंद भादा शेलडिया (निवा. कृष्णापार्क सोसायटी, सरथाणा जकातनाका) के पास से 39 हजार रूपए में प्लॉट खरीदा था। जिसका पूरा रूपया भी चुकाया था तो भी बावचंद शेलडिया ने इस प्लॉट को पोपट वादी की जानकारी के बिना अन्यों को भी बेचकर उनके पास से पैसे लेकर ठगी की। पुलिस ने पोपट की शिकायत के आधार पर बावचंद शेलडिया के खिलाफ मामला दर्ज कर शुरू की है।

महिलाओ ने दीपदान के साथ मनाया दीपावली स्नेहमिलन

सूरत। वेसु के प्राइम शॉपर्स के पीछे एसएनएस आरिस्ता शॉप स्थित दी टी फैक्ट्री रेस्टोरेंट में नंदनवन-3 अपार्टमेंट की महिलाओं द्वारा दीपावली स्नेहमिलन कार्यक्रम का गुरुवार शाम को आयोजन किया। स्नेहमिलन कार्यक्रम के दौरान प्रीति गोयल,अदिति मिश्रा,शालू अग्रवाल,उषा अग्रवाल, दिव्या, ज्योति, दीप्ती, मनीषा,, डिम्पल, श्वेता अग्रवाल, मोनिका, दीप्ती, जींनु, ममता सहित अन्य महिलाओ ने दीपदान कर एक दूसरे को दीपावली की शुभ कामना देने के साथ मुंह मीठा कराया।

मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का राज्यव्यापी शुभारंभ हुआ

सिर्फ दो घंटों में ही गुजरात राज्य के ४०६५ किसानों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया : कृषिमंत्री फलदु

गांधीनगर । कृषिमंत्री आरसी. फलदु ने बताया है कि, देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष २०२२ तक किसानों की आय दोगुनी करने का निश्चय किया गया है। जिसके अनुसार किसानों को फसल उत्पादन की योग्य कीमत मिले इसके लिए समर्थन मूल्य पर फसल की खरीदी भी की जाती है जिसके तहत गुजरात में मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीदी करने के लिए गुरुवार से ऑनलाइन प्रक्रिया का राज्यव्यापी शुरूआत हुई है । सिर्फ दो घंटों में ही ४०६५ किसानों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है । जिसमें ४७०८ हेक्टर क्षेत्र का उत्पादन हुआ है । सौराष्ट्र क्षेत्र के सभी मार्केट यार्ड बंद है यह बात सच्चाई से अलग है यह बताकर मंत्री फलदु ने आगे बताया है कि, राजकोट और जेतपुर यार्ड के अलावा सौराष्ट्र उत्तर गुज रात और कच्छ बाजार समिति में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया चल रही है ।

मंत्री फलदु ने आगे बताया है कि, राज्य में करीब २६.९२ लाख मैट्रिक टन उत्पादन होने की संभावना है अब यह मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीदी आगामी १५ नवंबर २०१८ से शुरू किया जाएगा राज्य में १२२ सेन्टरों पर खरीदी की प्रक्रिया शुरू करने के लिए तथा दूरदराज के किसानों को लाभ हो इस उद्देश्य से जिस गांव में किसान के पास ७/१२ का प्रमाणपत्र नहीं होगा तो ग्राम सेवक के प्रमाणपत्र के आधार पर भी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाने का किसानलक्षी महत्व का निर्णय भी राज्य सरकार ने लिया है । मंत्री ने आगे बताया है कि, राज्य के किसानों की मूंगफली की खरीदी समर्थन मूल्य पर पारदर्शी तरीके से हो इसके लिए मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने विसेष ध्यान केन्द्रित करके समयबद्ध आयोजन किया गया है और इसके लिए पूरी तैयारी की गई है । उन्होंने आगे बताया है कि, राज्य में भावान्तर योजना से मूंगफली की खरीदी करने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों तथा भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों को योजना के अभ्यास के लिए भेजा गया था इस मामले में एपीएमसी के चेयरमैन को यह पूरी जानकारी से अवगत कराया गया है ।

किशोरी को प्रेम जाल में फंसाकर बनाया गर्भवती

सूरत। अमरोली इलाके में विवाहित युवक ने किशोरी को प्रेम जाल में फंसाकर शादी करने का लालच देकर दो बार गर्भवती बनाकर छोड़ने की तहरीर पुलिस थाने में दर्ज करवायी गई है।

अमरोली पुलिस सूत्रों के अनुसार मोटा वराछा सैटेलाइट रोड महादेव चौक धर्मनंदन रो-हाउस निवासी सावन जीतु पटेल ने अपने विस्तार में रहनेवाली किशोरी को प्रेम जाल में फंसाया और पत्नी को तलाक देने के बाद उसके साथ शादी करने का झांसा देकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाकर गर्भवती बना दिया। जिस गर्भ को सावन ने गिरवा दिया था। उसके बाद फिर किशोरी के साथ शारीरिक संबंध बनाने पर एक मास का गर्भ रहने से सावन ने शादी करने से मना कर छोड़ दिया। पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

सूरत। शहर के रिंग रोड़ स्थित कपड़ा मार्केट दीपावली के सजने लगा है, ऐसा ही नजारा गुरुवार की रात को रिंग रोड़ पर रंग बिरंगी लाइटों से सजी कपड़ा मार्केट।

दीपावली को लेकर कुछ ही दिन बाकी रहे हैं तब अलग-अलग वस्तुओं की खरीदी करने का माहौल देखने को मिल रहा है।

अंबाजी मंदिर में स्थापना दिवस मनाया

सूरत। अंबाजी मंदिर में स्थापना दिवस मनाया गया स्थापना दिवस के मौके पर कई प्रकार का आयोजन हुआ सुबह 4:00 बजे से मां का गंगा जल दूध केसर गन्ना से माँ का अभिषेक किया गया, जिसके बाद में श्रृंगार पूजन व आरती की गई सुबह 4:00 बजे से ही भक्तों की काफी भीड़ रही बाद में 10:00 101 कन्याओं का पूजन किया गया एवं भंडारा का आयोजन किया गया शाम को 7:00 बजे मां को ५१ केक सजाकर मां काजन्म दिवस मनाया गया और 56 भोग लगाकर मां को रिझाया गया।

बड़े पैमाने पर अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया

सीटीएम तक डिमोलिशन और ट्राफिक की मेगा ड्राइव

अवैध पार्किंग और ट्राफिक नियम भंग करते वाहनचालकों के पास से स्थल पर ही जुर्माना वसूल किया गया

अहमदाबाद। शहर में गुरुवार को पूर्व क्षेत्र में खोखरा ब्रिज से लेकर सीटीएम सर्कल तक एएमसी प्रशासन और पुलिस तथा शहर ट्राफिक पुलिस द्वारा मेगा ड्राइव आयोजित की गई। इस दौरान डीसीपी, एसीपी, पीआई सहित के वरिष्ठ अधिकारियों सहित ३०० से ज्यादा पुलिस कर्मचारी ड्राइव में शामिल हुए। एएमसी की टीम द्वारा इस पूरे पट्टे में बड़े पैमाने पर अवैध अतिक्रमणों और निर्माणकाम को हटाया गया तो दूसरी तरफ, ट्राफिक पुलिस और पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध पार्किंग और ट्राफिक नियम भंग करते वाहनचालकों के पास से स्थल पर ही जुर्माना वसूल किया गया। एएमसी और पुलिस की गुरुवार की मेगा ड्राइव की वजह से पूर्व क्षेत्र में सनसनी मच गई।

विशेष करके स्थानीय दुकानदार और व्यापारियों में दहशत फैल गई। कई दिनों से रास्तों पर अंधाधुंध पार्क किए जाते वाहनों को डिटेइन करना तथा ट्राफिक नियम को भंग करते वाहनचालकों के विरूद्ध में कानूनी कार्रवाई करने के लिए पुलिस ने अभियान चलाया है। गुरुवार को सुबह में डीसीपी जोन-५ के आदेश से खोखरा ब्रिज से सीटीएम सर्कल तक ट्राफिक पुलिस द्वारा ड्राइव आयोजित की गई, जिसमें ३०० से ज्यादा पुलिस कर्मचारियों ने ट्राफिक के नियमों का भंग करनेवाले वाहनचालकों के विरूद्ध में कार्रवाई की गई थी। पिछले कई दिनों से चल रहे पुलिस की इस अभियान की वजह से गुरुवार को सुबह में ट्राफिक ड्राइव का आयोजन किया गया, जोन ५ के डीसीपी हीमकरसिंग के नेतृत्व में चार एसीपी, पीआई, पीएसआई सहित ३०० से ज्यादा पुलिस कर्मचारियों ने खोखरा ब्रिज से लेकर सीटीएम सर्कल तक मेगा ड्राइव आयोजित की गई। सुबह में पुलिस द्वारा की गई ट्राफिक ड्राइव में अवैध पार्किंग किए गए कई वाहनों को डिटेइन किया गया तब हेल्मेट बिना वाहन चलाते चालकों को मेमो दिया गया था। तेजी से वाहन चलाते लोगों को भी पुलिस ने जुर्माना लगाया था। कार के शीशे पर लगाई गई ब्लेक फिल्म भी पुलिस ने हटा दी।

शहर में आखिर में साइबर पुलिस स्टेशन शुरू किया

अहमदाबाद। संपत्ति और शरीर संबंधी अपराध जितनी ही अपराध साइबर क्राइम में हो रही है। साइबर क्राइम पर नियंत्रण लगाने के लिए अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और गांधीनगर स्थित सीआईडी क्राइम में रहा साइबर सेल पर काम का बोझ विशेष प्रमाण में रहने की वजह से अहमदाबाद शाहीबाग डफनाला १५ नंबर के बंगले में साइबर पुलिस स्टेशन गुरुवार से शुरू किया गया है।

साइबर पुलिस स्टेशन में आईटी एक्ट २००० के तहत क्राइम, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, पेटीएम के पीन नंबर लेकर या कार्ड क्लोन करके होती धोखाधड़ी, ग्राहकों के बैंक अकाउन्ट जानकारी लेकर बाहर ही बाहर पैसे निकाल लेते अपराधों तथा युवतियों की फर्जी फेसबुक या इन्स्टाग्राम अकाउन्ट बनाकर उनको बदनाम करते फोटो अपलोड करने की धमकी देकर होते शोषण सहित के गंभीर मामलों की शिकायत या पुलिस स्टेशन में हो सकेगी। सोशल मीडिया पर निगरानी रखकर और इसके संबंधित अपराधों को जल्दी से ढूढ़ निकाला जाएगा। पुलिस स्टेशन के जैसे अब साइबर पुलिस स्टेशन में भी एफआईआर बुक, गिरफ्तारी रजिस्टर, मालसामान रजिस्टर और चार्जशीट रजिस्टर मेइन्टेन किया जाएगा। यह पुलिस स्टेशन क्राइम ब्रांच के जेसीपी की नेतृत्व के तहत रहेगी। पुलिस स्टेशन में सुपरवाइजर अधिकारी साइबर क्राइम डीसीपी डॉ. राजदीपसिंह झाला का रहेगा। साइबर क्राइम डीसीपी डॉ. राजदीपसिंह झाला ने बताया है कि गुरुवार से साइबर पुलिस स्टेशन शुरू हो गया है। साइबर क्राइम को समाधान लाने में और शहरीजनों की इस मामले की शिकायत के हल करने में बहुत मदद मिलेगी। साइबर क्राइम पुलिस नागरिकों की इस प्रकार की शिकायतों की सेवा के लिए तैयार है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)